MAHD-02

June - Examination 2017

M.A. (Previous) Hindi Examination

Adhunik Kavya

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) कवीन्द्र रवीन्द्र के 'काव्येर उपेक्षिता' शीर्षक से प्रभावित हो कर मैथिली शरण गुप्त ने कौनसी कृति का सृजन किया?

(ii) जय शंकर प्रसाद किस पत्रिका के सम्पादन से जुड़े रहे?

(iii) निराला की कौनसी कविता जीवन और यौवन की नश्वरता की ओर संकेत करती है?

(iv) महादेवी वर्मा के काव्य में वर्णित दुःखवाद पर किस दर्शन का प्रभाव है?

(v) 'साठ वर्ष : एक रेखांकन' किस विधा की रचना है तथा इसके रचनाकार कौन हैं?

(vi) 'बादल को घिरते देखा है', 'हरिजन गाथा' नामक रचनाओं के रचनाकार कौन हैं?

(vii) रघुवीर सहाय के सौन्दर्यशास्त्र को क्या नाम दिया गया है?

(viii) अज्ञेय घनीभूत इच्छाओं के आवेग को क्या कहते हैं?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''हा जनकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुन लें, तुमने स्वयं अभी यह माना।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया।
दुर्बलता का ही चिन्ह विशेष शपथ है,
पर अबलापन के लिए कौन सा पथ है?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ।

3) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजए।

मै अकेला,
देखता हूँ, आ रही
मेरे दिवस की सांध्य बेला।
पके आधे बाल मेरे,
हुए निष्प्रभ गाल मेरे
चाल मेरी मन्द होती आ रही
हट रहा मेला।
जानता हूँ नदी–झरने
जो मुझे थे पार करने
कर चुका हूँ हँस रहा यह देख
कोई नहीं थेला।

4) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजए।

सखि, अखिल प्रकृति की प्यास हम तुम भीगें।
अकस्मात यह बात हुई क्यों जब हम–तुम मिल पाये,
तभी उठी आँधी अम्बर में सजल जलद घिर आये,
यह रिमझिम संकेत गगन का समझो या मत समझो,
सखि, भीग रहा आकाश कि हम तुम भीगें;
सखि, अखिल प्रकृति की प्यास कि हम तुम भीगें।

5) जयशंकर प्रसाद के काव्य की मुख्य विशेषताएँ बताते हुए छायावादी कवियों में उनका स्थान निर्धारित कीजिए।

6) प्रकृति चित्रण की दृष्टि से पंत की कविता पर विचार कीजिए।

7) दिनकर की कविताओं में राष्ट्रीयता की भावना की समीक्षा कीजिए।

8) अज्ञेय कृत 'असाध्य वीणा' पर एक टिप्पणी लिखिए।

9) मध्यकाल में गज़ल के विकास पर एक टिप्पणी लिखिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) हरिवंशराय बच्चन की काव्यगत विशेषताओं को उल्लेखित कीजिए।

11) 'भारतमाताग्राम वासिनी' कविता के मूलभाव पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

12) निराला के काव्य में अनुभूतिपरक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

13) रघुवीर सहाय की कविता में समकालीन चेतना पर एक आलोचनात्मक निबंध लिखिए।

———